

LABASA SANGAM SKM COLLEGE

YEAR 11

HINDI **WORKSHEETS**

2021

MRS - PRAKASH

9217539

WEEK 1

पत्र रचना (कक्षा ११)

तुरंत संपर्क साधन के लिए टेलीफोन की ज़रूरत है किन्तु इतनी देर तक बातें नहीं की जा सकती कि पूरे विचार प्रकट किया जा सके । ऐसे दशा में हमें चिट्ठी दुवारा ही अपना काम चलाना पड़ता है । पत्र लेखन अपनी बात पूरी तरह स्पष्ट करने का सब से सरल और सस्ता साधन या तरीका है ।

पत्र लिखते समय कुछ बातों पर ध्यान देना आवश्यक है :

- पत्र की भाषा सरल तथा रोचक हो ।
- वाक्य छोटे -छोटे तथा प्रभावशाली हों ।
- अलग-अलग विचारों को अलग-अलग अनुच्छेदों में लिखना चाहिए ।

➤ पत्र में भाषा शुद्धी तथा विराम चिन्हों और वर्तनी पर ध्यान रखना है ।

पत्रों के प्रकार

विषय के अनुसार पत्रों के अनेक श्रेणियों में विभाजित किया गया है - जैसे प्रेम-पत्र, निमंत्रण पत्र, विवाह पत्र, जन्मदिन पत्र, शोक पत्र आदि ।

पत्रों को दो वर्गों में भी बाटा गया है -

१. औपचारिक पत्र- (formal letter)

२. अनौपचारिक पत्र -(Informal letter)

अनौपचारिक या व्यक्तिगत रचना उन लोगों के साथ किया जाता है जिनके साथ कोई व्यक्तिगत संबंध हो । इसलिए इन पत्रों में व्यक्तिगत बातों को लिखा जाता है ।

औपचारिक पत्र (Informal writing)

यह पत्राचार उन लोगों के साथ किया जाता है ,जिनके साथ हमारा कोई निजी परिचय न हो।

औपचारिक पत्र

उदहारण

शिकायती पत्र, सम्पादक के नाम पत्र , व्यावसायिक पत्र , सरकारी पत्र आदि इस नोट्स को उदहारण सहित अपने पुस्तक में लिखिए .

औपचारिक रचना -पत्र (Formal writing) उदहारण

साम रोड

लम्बसा

२३ जून २०१९

सेवा में

अध्यक्ष

फीजी इलेक्ट्रिसिटी अथोरिटी

सूवा

महोदय

विषय : बिजली की समस्या

पत्र लिखने का कारण यह है कि सामू रोड लम्बसा में बिजली की सेवा समय से उपलब्ध नहीं होती है ।

सामू रोड लम्बसा गावँ के एक सदस्य होने के कारण यह पत्र लिखना पड़ रहा है । यहाँ के लोग बहुत सालों से इस समस्या से झूझ रहे हैं और उन्हें बहुत कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है ।

पहली समस्या यह है कि बिजली न होने के कारण बच्चे रात देर तक अपनी पढ़ाई नहीं करते और वे जल्द सो जाते हैं । वे अपनी परीयोजना की शोध कंप्यूटर पर करने में असमर्थ

रहते जो बिजली से ही चलती है और समय से उसे “सबमिट” न करने पर कई समस्याओं का सामना करना पड़ता | इसके लिए उन्हें शहर जाना पड़ता |

दूसरी ओर घर पर माताएं को भोजन, कपड़ा धोने, इस्त्री करने जैसे कार्य करने में बाधा होती है | लोग दूरदर्शन पर समाचार आदि देख-सुन नहीं सकते | घर पर मेंहमान आजाते हैं तो उन्हें भी असुविधा महसूस होती | समय से बिजली न होने के कारण गांव के कितने घरों में चोरी भी हो चुकी है |

आशा है कि अधिकारीगण इस समस्या की ओर अपना ध्यान आकर्षित करेंगे और गांव में बिजली की सेवा में सुधार लाकर सहूलियत प्रदान करेंगे |

भवदीय/भवदीया

-----नाम

Week 2

मुहावरे- (IDIOMS)

मुहावरा कुछ पदों के ऐसे समूह को कहते हैं जिसका शाब्दिक अर्थ न लेकर कोई विशेष अर्थ लिया जाए | मुहावरों के प्रयोग से भाषा की सुन्दरता बढ़ जाती है तथा अर्थों में गहराई आ जाती है | **जैसे:** ईद का चाँद होना - कभी-कभी दिखाई देना |

वाक्य में हम कह सकते हैं कि - रमेश तो आजकल ईद का चाँद हो गया है |

यहाँ रमेश वास्तव में चाँद नहीं बना, बल्कि वह कभी-कभी नज़र आता है | भाषा को सुन्दर बनाने के लिए मुहावरों का प्रयोग होता है |

प्रश्नों को पूरा कीजिए

अंक ४

१. आग बबूला होना - गुस्सा होना

वाक्य - -----

२. अंग -अंग ढीला होना - बहुत थक जाना

वाक्य - -----

३. काला अक्षर भैस बराबर - बिल्कुल अनपढ़

वाक्य - -----

४. अंगूठा दिखाना - इनकार करना

वाक्य -----

-

वाक्य संशोधन / वाक्य सुधार - (correction of sentences)

वाक्य निर्माण के समय लिंग,वचन,कारक आदि की त्रुटियाँ हो जाती है | यदि व्याकरण का सही ज्ञान हो तो ये त्रुटियाँ दूर हो जाती है |

उदहारण को समझते हुए बाकी कार्य पूरा कीजिए

अंक

४

	अशुद्ध	शुद्ध
१.	वे आया है	वे आए हैं
२.	तुम्हारा आदत बहुत अच्छा है	
३.	रोनील हिंदी सीखते हैं	
४.	महाभारत का लड़ाई में पांडव का जीत हुई।	
५.	उसके आज का मृत्यु कल सुबह हो गया।	

अनुवाद हिन्दी से अंग्रेजी

अंक ५

सड़क पर चलते वक्त यातायात के नियमों का पालन भी अनुशासन का ही अंग है | चवराहों पर लगी लाल - पीली बत्तियाँ ही वाहनों को अनुशासित रखती है | यदि सड़क पर लोग अनुशासनहीन हो जाएं तो

कोई भी आगे नहीं चल पाएगा। यदि हर आदमी मनमानी करने लगे तो समाज का काम नहीं चल सकता । अनुशासन में रहने पर ही अनेक दुर्घटनाओं से बचा जा सकता है ।

WEEK 3

“कि” और “की” का प्रयोग

कि” दो वाक्यों /वाक्यांशों को जोड़ने का वाला शब्द संयोजक है -जैसे कि मिश्र वाक्य में देखते हैं जिस में कि मुख्य वाक्य को आश्रित वाक्य के साथ जोड़ने का कार्य करता है ।

अंग्रेजी वाक्य में जो कार्य “that” करता है वही कार्य हिन्दी वाक्य में कि करता है ।

(conjunction का कार्य करता है)

उद्धारण : क) मंत्री ने कहा कि नई गाड़ी ले आओ।

ख) माँ ने बेटे को हिदायत दी कि शाम को जल्दी घर आ जाना ।

ग) वह घर से निकला ही था कि बरसात शुरू हो गई ।

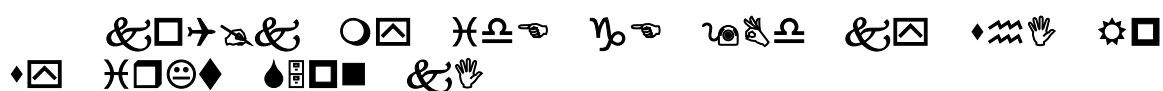
कि का प्रयोग या के स्थान पर भी होता है । जैसे प्रश्न पूछते वक्त -

क) आप कल जाओगे कि परसों ?

ख) तुम रुकोगे कि जाओगे ?

यह जान ले - कि का प्रयोग क्रिया (verb) के बाद ही होता है ।

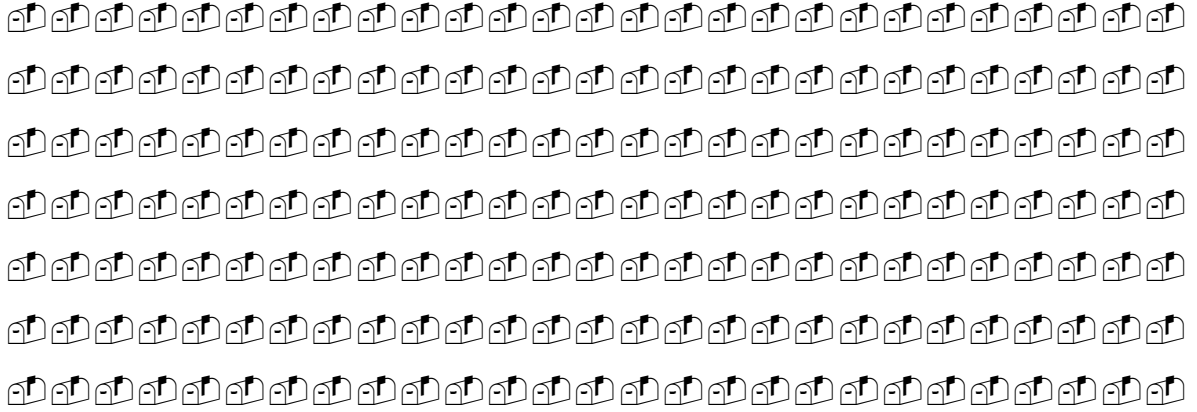
भाषा



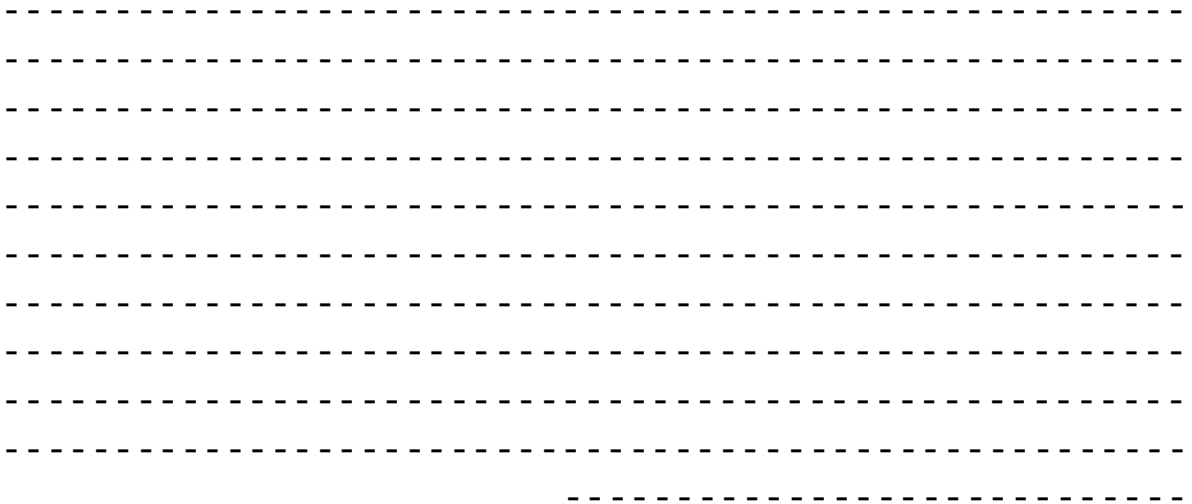
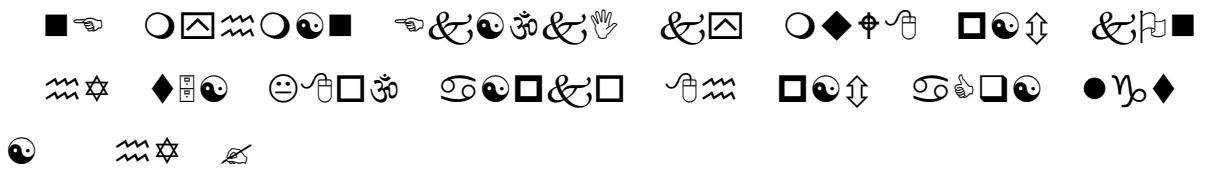
୨



ଅଙ୍କ ୨



୩



ଅଙ୍କ ୫

WEEK 4

ବୋଧନ

(ଅଙ୍କ ୫)

“अभ्यास एक व्यक्ति को पूर्ण बनाता है”। यह एक अच्छी कहावत है, जो हमें हमारे जीवन में सफलता प्राप्त करने के लिए नियमित अभ्यास के महत्व के बारे में सीखाती है। अभ्यास के साथ बुद्धिमत्ता और सौंदर्य की शक्तियों का प्रयोग होता है। व्यक्ति को संभावित दोषों को सही करके पूर्णता की ओर ले जाता है। अभ्यास प्रदर्शन में पूर्णता और उत्कृष्टता लाता है। पर्याप्त योजना के साथ किया गया अभ्यास एक व्यक्ति को पूर्णता के साथ प्रदर्शन का बढ़ावा देता है। लक्ष्य तक पहुँचने के लिए अच्छे मार्गदर्शन के लिए सही दिशा में अभ्यास करना बहुत ही आवश्यक है। अभ्यास का अर्थ है, सही दिशा में गतिविधियों को दोहराना है, जो योग्यता को आकार प्रदान करता है।

प्रत्येक गतिविधि (जैसे- अच्छी आदतें, स्वच्छता, समयनिष्ठता, अनुशासन, नैतिकता, पढ़ना, लिखना, बोलना, खाना बनाना, नृत्य करना, गाना गाना, आदि) में गुणवत्ता और पूर्णता लाने के लिए अभ्यास की आवश्यकता होती है। कठिन परिश्रम, धैर्य, विश्वास, दृढ़ इच्छा शक्ति, सहनशीलता, सकारात्मक सोच, आत्मविश्वास, लगन और समर्पण के लिए अभ्यास की आवश्यकता होती है। अभ्यास एक व्यक्ति को अन्य गुणों को रखने के लिए तैयार करता है। एक व्यक्ति को उस समय तक अभ्यास करना नहीं रोकना चाहिए, जब तक कि वह पूर्णता प्राप्त न कर ले।

पूर्णता प्राप्त करने के लिए अभ्यास सबसे अच्छा तरीका है । जितना अधिक व्यक्ति अभ्यास करता है, वह उतना ही अधिक दोषरहित और आत्मविश्वासी बनता है। अभ्यास के माध्यम से हम पहले की गई गलती को दुबारा नहीं करते। हम नई चीजों को सीखते हैं। कोई भी अभ्यास की आदत को किसी भी आयु में विकसित कर सकता है। उसे केवल अपने आप में विश्वास रखना चाहिए । हालांकि: इसे अन्य गतिविधियों, जैसे- घूमना, बात करना, लिखना, पढ़ना, खाना, खेलना, खाना बनाना आदि का बचपन से ही अभ्यास करके विकसित करना अच्छा होता है। एक स्कूल जाने वाला बच्चा पत्र लिखने का अभ्यास करने से पहले शब्द, वाक्य और अन्त में पैराग्राफ लिखता है। बड़े लेख लिखने का अभ्यास बाद में सीखता है। इसी प्रकार उसे अपने जीवन में भी अभ्यास करना चाहिए ।

व्यक्ति के जीवन में अभ्यास बहुत ही जरूरी है । अभ्यास शिक्षापूर्ण होना चाहिए। अभ्यास एक व्यक्ति को पूर्ण करता है, क्योंकि यह पूर्णता लाता है, जो एक व्यक्ति को विशेष विषय या क्षेत्र में उत्कृष्टता प्राप्त करने की ओर ले जाता है। अभ्यास कमियों को नजरअंदाज करके कार्य को पूर्णता के साथ पूरा करने में मदद करता है। यह उन्हें पूर्णता की ओर ले जाता है, चाहे वह लिखना हो, पढ़ना हो या बोलना हो। इस तरह से, एक बच्चा नियमित अभ्यास से एक योग्य और

ପ୍ରସ୍ତ

◆❧✎ er❖❧଼ି &☒ ଚିନ୍ତା❖❧❧☒ ଓ☒☐ ☐☐ ଓ☐■✎ ✎

①☐☐ପୁସ୍ତିକା ○☒ଐ☒ଐ☒ ଐ ଚିନ୍ତା❖❧❧☒ &❧☐ ✕■ଞ❧■

ଚିନ୍ତା❖❧❧☒ ✎ ❧

२ धूम्रपान की आदत अकसर किस कारण से पड़ जाती है

३. पाठ में आए दुर्व्यसन शब्द का अर्थ है

४ पाठ के अनुसार मलिन शब्द का विलोम शब्द है

५  धुम्रपान निषेध है ✂ इस आदेश को दुसरे शब्दों में किस प्रकार लिखा जा सकता है ✍

वाक्य सुधार

अंक ५

१. रामायण पाठ लोग हमेशा करता रहता है ।

२. सभी बच्चा का किताब पानी में भीग कर खराब हो गया ।

३. गांधी जी बुराई की बदला भलाई से देता रहे ।

४. कँवल जी अनेको पुस्तके लिखा ।

५. दादाजी आज दिखाय नहीं पड़ा ।

१ आप का नाम रिशान / रेशमी है आप उमा स्ट्रीट लम्बासा में रहते /रहती हो जय फीजी नामक समाचार पत्र के संपादिका के पास पत्र लिख कर नीचे दिए गए विषय पर अपना विचार व्यक्त कीजिए * लगभग - १५० शब्द होना चाहिए .

विषय - " कोविड से बचाव "
अंक १०